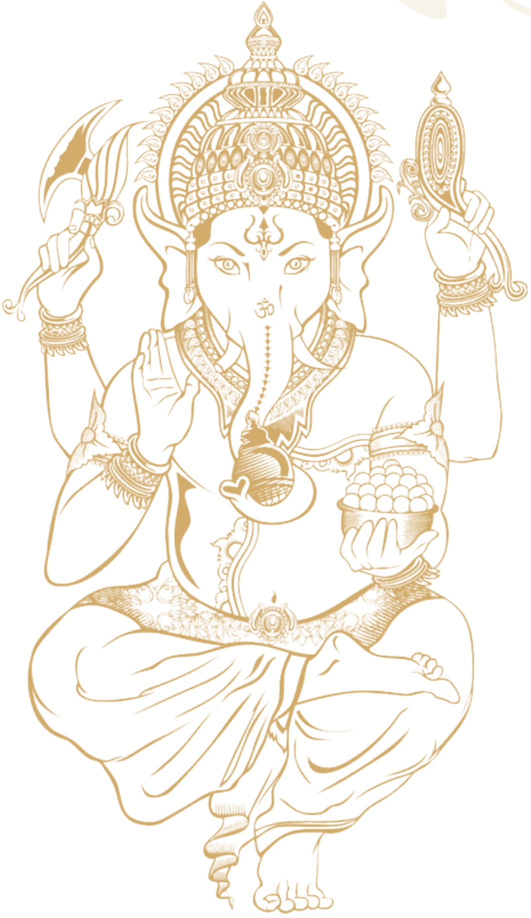

Prince Kumar

03 Jul 2021

12:24 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb **Order No: 121074202**

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/07/2021**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:24:00 घंटे**
इष्ट	18:17:11 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:34:00 घंटे
वेलान्तर	-00:04:16 घंटे
साम्पातिक काल	07:20:06 घंटे
सूर्योदय	05:05:07 घंटे
सूर्यास्त	18:43:10 घंटे
दिनमान	13:38:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	17:25:20 मिथुन
लग्न के अंश	23:58:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:58:26	324:55:33	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मिथु	17:25:20	00:57:13	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	03:04:56	11:57:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कर्क	19:16:24	00:37:13	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध			वृष	26:12:36	00:48:46	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	07:46:32	00:02:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
शुक्र			कर्क	13:14:33	01:12:39	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	18:05:41	00:03:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु			वृष	16:14:38	00:01:42	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	16:14:38	00:01:42	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मेष	19:43:47	00:02:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप	व		कुंभ	29:01:53	00:00:15	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो	व		मक	01:45:17	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	24:19:59	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:11

लग्न-चलित

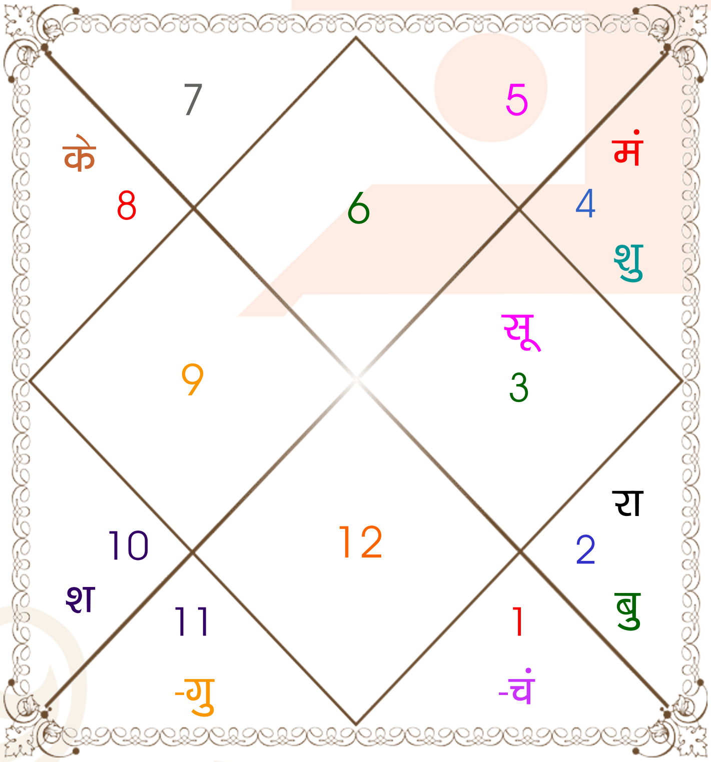

चन्द्र कुंडली

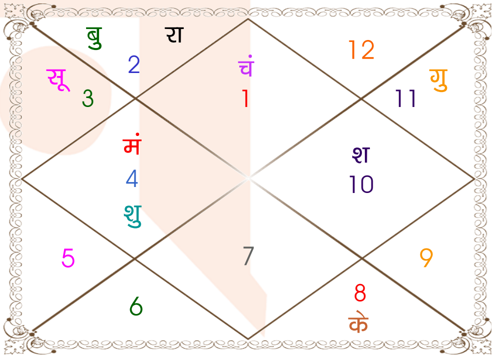

नवमांश कुंडली

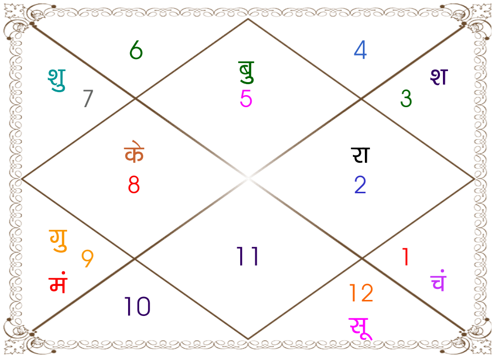

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 4 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		**शुक्र 20 वर्ष**		**सूर्य 6 वर्ष**		**चंद्र 10 वर्ष**		**मंगल 7 वर्ष**	
03/07/2021		**20/11/2026**		**20/11/2046**		**19/11/2052**		**20/11/2062**	
20/11/2026		**20/11/2046**		**19/11/2052**		**20/11/2062**		**19/11/2069**	
	00/00/0000	शुक्र	21/03/2030	सूर्य	09/03/2047	चंद्र	20/09/2053	मंगल	18/04/2063
	03/07/2021	सूर्य	21/03/2031	चंद्र	08/09/2047	मंगल	21/04/2054	राहु	05/05/2064
सूर्य	23/10/2021	चंद्र	19/11/2032	मंगल	14/01/2048	राहु	21/10/2055	गुरु	11/04/2065
चंद्र	24/05/2022	मंगल	19/01/2034	राहु	07/12/2048	गुरु	19/02/2057	शनि	21/05/2066
मंगल	20/10/2022	राहु	19/01/2037	गुरु	26/09/2049	शनि	20/09/2058	बुध	18/05/2067
राहु	08/11/2023	गुरु	20/09/2039	शनि	08/09/2050	बुध	19/02/2060	केतु	14/10/2067
गुरु	14/10/2024	शनि	20/11/2042	बुध	15/07/2051	केतु	19/09/2060	शुक्र	14/12/2068
शनि	23/11/2025	बुध	20/09/2045	केतु	20/11/2051	शुक्र	21/05/2062	सूर्य	20/04/2069
बुध	20/11/2026	केतु	20/11/2046	शुक्र	19/11/2052	सूर्य	20/11/2062	चंद्र	19/11/2069

राहु 18 वर्ष		**गुरु 16 वर्ष**		**शनि 19 वर्ष**		**बुध 17 वर्ष**		**केतु 7 वर्ष**	
19/11/2069		**20/11/2087**		**21/11/2103**		**21/11/2122**		**21/11/2139**	
20/11/2087		**21/11/2103**		**21/11/2122**		**21/11/2139**		**00/00/0000**	
राहु	02/08/2072	गुरु	07/01/2090	शनि	24/11/2106	बुध	18/04/2125	केतु	18/04/2140
गुरु	26/12/2074	शनि	20/07/2092	बुध	03/08/2109	केतु	16/04/2126	शुक्र	18/06/2141
शनि	01/11/2077	बुध	26/10/2094	केतु	12/09/2110	शुक्र	13/02/2129	सूर्य	04/07/2141
बुध	21/05/2080	केतु	02/10/2095	शुक्र	11/11/2113	सूर्य	21/12/2129		00/00/0000
केतु	08/06/2081	शुक्र	02/06/2098	सूर्य	24/10/2114	चंद्र	22/05/2131		00/00/0000
शुक्र	08/06/2084	सूर्य	21/03/2099	चंद्र	25/05/2116	मंगल	19/05/2132		00/00/0000
सूर्य	03/05/2085	चंद्र	21/07/2100	मंगल	03/07/2117	राहु	06/12/2134		00/00/0000
चंद्र	01/11/2086	मंगल	27/06/2101	राहु	09/05/2120	गुरु	13/03/2137		00/00/0000
मंगल	20/11/2087	राहु	21/11/2103	गुरु	21/11/2122	शनि	21/11/2139		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।